

न्यायालय सहायक कलेक्टर एवं उप खण्ड अधिकारी, पाली
पीठासीन अधिकारी:- श्री रोहिताश्व सिंह तोमर (आई.ए.एस.)

राजस्व वाद संख्या 625/2015

वादी:-

बनाम प्रतिवादीगण:-

1. शांतिदेवी पुत्री रामसिंह पत्नि दलपतसिंह, जाति राजपूत (रजपूत), निवासी डिंगाई हाल निवासी गुन्दोज, तहसील पाली, जिला पाली (राजस्थान)



1. सायरी पुत्री रामसिंहजी पत्नि धीसुसिंहजी, जाति रजपूत
2. उमी पुत्री रामसिंहजी पत्नि जोरसिंहजी, जाति रजपूत, निवासीगण, डिंगाई, तहसील पाली, जिला पाली
मृतक दरिया पुत्री रामसिंहजी पत्नि गोपालसिंहजी, जाति रजपूत, निवासी डिंगाई, हाल निवासी गोदावास, तहसील पाली के कायम मुकाम-
3. रिकु पुत्री गोपालसिंह, उम्र 19 वर्ष
4. मंशा पुत्री गोपालसिंह, उम्र 17 वर्ष
5. कन्या पुत्री गोपालसिंह, उम्र 15 वर्ष
6. पूजा पुत्री गोपालसिंह, उम्र 12 वर्ष
7. जोगसिंह पुत्र गोपालसिंह, उम्र 10 वर्ष, जातिगण रजपूत, निवासीगण गोदावास, तहसील पाली, जिला पाली जरिये कुदरती वली पिता गोपालसिंह पुत्र मगसिंहजी, जाति रजपूत, निवासी गोदावास, तहसील पाली नाबालिगान प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 का
8. भंवरसिंह पुत्र छोगसिंहजी उर्फ छोगा (तथाकथित अपने आपको रामसिंह का गोदी पुत्र बताता है)
9. राजूसिंह पुत्र छोगसिंहजी उर्फ छोगा
10. गिरधारीसिंह पुत्र छोगसिंहजी उर्फ छोगा
11. छतरसिंह पुत्र छोगसिंहजी उर्फ छोगा
12. अणचीकंवर बेवा छोगसिंहजी उर्फ छोगा, जातिगण राजपूत, निवासीगण डिंगाई, तहसील पाली, जिला पाली
13. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार, पाली तहसील पाली, जिला पाली।

उपस्थिति:-

1. श्री मदनदास वैष्णव, विद्वान अभिभाषक वादी
2. श्री जब्बरसिंह, विद्वान अभिभाषक प्रतिवादी संख्या 3 से 7 व 9 से 12

वाद अंतर्गत धारा 88,91 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955

सहायक कलेक्टर
पाली

-:निर्णय:-

दिनांक 19-12-2019

1. वादी ने यह वाद प्रतिवादीगण के विरुद्ध प्रस्तुत कर निवेदन किया कि खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा किस्म बारानी दोगम एवं खसरा नम्बर 202 रकबा 18 बीघा, खसरा नम्बर 219 रबा 1 बीघा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 222 रकबा 3 बीघा, खसरा नम्बर 224 रकबा 16 बिस्वा, खसरा नम्बर 255 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा तमाम किस्म बारानी दोगम मौजा गुडा सोनीगरा तहसील पाली में स्थित है, जिस कृषि भूमि के खसरा नंबर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के 1/2 हिस्से का एवं खसरा नम्बर 202,219,222, 224, 225 कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा का एकमात्र खातेदार टिनेन्ट वादीया एवं प्रतिवादी संख्या 1,2 एवं मृतक दरियादेवी का पिता रामसिंह पुत्र जालमसिंहजी, जाति रजपूत निवासी डिंगाई था एवं रहा तथा अपने जीवनकाल में उक्त आराजी पर काबिज रह काश्त करता करते थे। जिस रामसिंह का देहान्त हो चुका है एवं उक्त खातेदार रामसिंह की मृत्यु के वक्त रामसिंह के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण बतौर बेवा के सुमटी एवं जायन्दा पुत्रीयो के वादीनी एवं प्रतिवादी संख्या 1,2 एवं दरिया जीवित मौजूद थी एवं रही एवं उक्त आराजी पर रामसिंह की मृत्यु की पश्चात् से काबिज रह काश्त करती थी एवं रही तत्पश्चात उक्त रामसिंह की बेवा सुमटी का भी देहान्त हो गया। जिस सुमटी की मृत्यु के वक्त मृतक सुमटी के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण बतौर प्रथम श्रेणी के जायन्दा पुत्रीया वादीनी एवं प्रतिवादी संख्या 1,2 एवं दरियादेवी जीवित मौजूद थी एवं रही तत्पश्चात उक्त भूमि के खातेदार रामसिंह एवं रामसिंह की पत्नि सुमटी की जायन्दा पुत्री दरियादेवी का भी देहान्त हो गया। जिस दरियादेवी की मृत्यु के वक्त उक्त मृतक दरियादेवी के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण बतौर पुत्रीया के रिकू, मंशा, कन्या, पूजा एवं पुत्र के जोगसिंह जीवित मौजूद थे, रहे एवं आज भी जीवित मौजूद है जिन्हे हाजा वाद में मृतक दरियादेवी के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी होने से बतौर प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 बनाया गया है। चूंकि प्रतिवादी संख्या 4 लगाय 7 नाबालिग होने से उक्त प्रतिवादी संख्या 4 लगाय 7 के कुदरती वली पिता गोपालसिंह जीवित मौजूद है एवं उक्त प्रतिवादी संख्या 4 लगाय 7 उक्त गोपालसिंह के संरक्षण मे है एवं प्रतिवादी संख्या 4 लगाय 7 के हितो के विरुद्ध नहीं है। प्रतिवादी संख्या 1,2 एवं प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 वादीनी के साथ सरिक नही होने से इन्हें हाजा वाद में बतौर प्रतिवादी संख्या 1 लगाय 7 बनाया गया है। उक्त आराजी के मात्र खसरा नम्बर 226 रकबा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के शेष 1/2 हिस्से खातेदार प्रतिवादी संख्या 8 लगाय 12 क कि पिता, पति छोगसिंह पुत्र जालमसिंह, जाति रजपूत, निवासी डिंगाई था रहा जिस छोगसिंह का देहान्त हो जा चुकने से उक्त मृतक छोगसिंह की मृत्यु के समय बतौर पुत्रो एवं बेवा के जीवित होने से इन्हे हाजा वाद मे बतौर प्रतिवादी संख्या 8 लगाय 12 के पक्षकार बनाया गया है। एवं तहसीलदार, पाली भूमिधारी होने से हाजा वाद में बतौर औपचारिक फिरक मुकदमा के प्रतिवादी संख्या 13 बनाया गया है। जिनके विरुद्ध वदीनी की कोई दादरसी नही है। जमाबन्दी संवत् 2066 से 2069 की नकले दोग प्रमाणित साथ पेश है जिस जमाबन्दिया मे वर्णित आराजी हाजा वाद की वादग्रस्त आराजी है।

उक्त वादग्रस्त आराजी के खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वाक के 1/2 हिस्सा यानि रकबा 2 बीघा 12 बिस्वा 10 विस्वासी एवं खसरा नम्बर 202,219,222,224,225, कुल



सहायक जिलाधिकारी
पाली

रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा मौजा गुडा सोनीगरा, तहसील पाली की आराजी के एकमात्र खातेदार वादीनी एवं प्रतिवाद 1,2 एवं दरियादेवी के पिता रामसिंह एवं माता सुमटी होने से एवं उक्त रामसिंह व सुमटी के मृत्यु के वक्त उक्त मृतक रामसिंह एवं सुमटी की प्रथम श्रेणी की उत्तराधिकारीगण बतौर जायन्दा पुत्रीया के वादीनी एवं प्रतिवादीनी संख्या 1,2 एवं प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 की माता दरियादेवी जीवित मौजूद होने से उक्त आराजी के खातेदार रामसिंह व उसके पश्चात् उसकी बेवा सुमटी का देहान्त हो जाने के वक्त से आज दिन तक एकमात्र कब्जा काश्त बतौर उत्तराधिकारीगण के वादीनी एवं प्रतिवादी संख्या 1 लगाय 7 का लगातार शामलाती मे चला आ रहा है एवं आज भी उक्त आराजी पर काबिज रह काश्त करते है जिससे उपरवर्णित आराजी के 1/4 हिस्से की खातेदार वादीनी, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादी संख्या एक, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादी संख्या दो एवं 1/4 हिस्से के खातेदार प्रतिवादी संख्या तीन लगाय सात थे, रहे एवं आज भी जीवित मौजूद है जो शामलाती में उक्त आराजी पर काबिज रह काश्त करते थे वो करते एवं मात्र खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के शेष 1/2 हिस्से का खातेदार प्रतिवादी संख्या 8 लगाय 12 का पिता एवं पति छोगसिंह होने से एवं उक्त छोगसिंह का देहान्त हो जाने से उक्त छोगसिंह की 1/2 हिस्से की आराजी पर प्रतिवादी संख्या आठ लगाय बारह का कब्जा वो काश्त शामलाती मे था एवं रहा है। वादग्रस्त आराजी का खातेदार रामसिंह पुत्र जालमसिंहजी, जाति रजपूत, निवासी डिगाई मय इनकी पत्नि सुमटी के जीवनकाल मे कोई जायन्दा पुत्र नहीं हुआ न ही कोई इनका जायन्दा पुत्र है एवं न ही उक्त रामसिंह मय अपनी पत्नि सुमटी द्वारा अपने जीवनकाल में प्रतिवादी संख्या 8 भंवरसिंह पुत्र छोगसिंह को गोद ही लिया एवं न ही प्रतिवादी संख्या 8 भंवरसिंह पुत्र छोगसिंहजी वक्त रामसिंह व सुमटी का गोदीपुत्र या पुत्र है ऐसी स्थिति मे उक्त रामसिंह व सुमटी की मृत्यु के वक्त उक्त रामसिंह व सुमटी की जायन्दा पुत्रीया वादीनी प्रतिवादी संख्या 1 व 2 एवं प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 की माता दरियादेवी जीवित मौजूद थी, रही जिससे हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की मंशानुसार कानूनन एकमात्र बतौर प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण वादीनी एवं प्रतिवादी संख्या 1 लगाय 7 ही थे, रहे एवं आज भी जीवित मौजूद है परन्तु प्रतिवादी संख्या 8 भंवरसिंह पुत्र छोगसिंह अपने आपको वादीनी के पिता रामसिंह का गोदीपुत्री नहीं होते हुए राजस्व कर्मचारियों एवं अधिकारियों मय उनक प्रतिनिधि एजेन्ट से मिलावट कर वादग्रस्त आराजी के खातेदार रामसिंह व सुमटी के हिस्से की सम्पूर्ण खातेदारी भूमि निस्वत् शून्य म्युटेशन संख्या 426 के उक्त रामसिंह व सुमटी के स्थान पर वादीनी एवं प्रतिवादी संख्या 1 लगाय 7 की बजाय प्रतिवादी संख्या 7 की बजाय प्रतिवादी संख्या 8 का नाम राजस्व रेकर्ड जमाबन्दी वगैरह में खिलाफ कानून गलत इन्द्राज किया गया जो काबिल दुरुस्ती के है एवं उक्त म्युटेशन संख्या 426 को शून्य घोषित फरमाया जावे। शून्य म्युटेशन संख्या 426 की नकल प्रमाणित साथ पेश है खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा बारानी दोयम एवं खसरा नम्बर 202 रकबा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 219 रकबा 1 बीघा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 222 रकबा 3 बीघा, खसरा नम्बर 224 रकबा 16 बिस्वा, खसरा नम्बर 225 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा तमाम किस्म बारानी दोयम मौजा गुडा सोनीगरा तहसील पाली की आराजी का खातेदार टिनेन्ट रामसिंह व उसकी बेवा सुमटी की मृत्यु सन् 1960 के पश्चात् हो जाने से उक्त आराजी को



सहायक कलेक्टर
पाली


बहिस्सा बराबर के यानि 1/4 हिस्से की खातेदार वादीनी को, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादीनी संख्या 1 को, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादीनी संख्या 2 को एवं शेष 1/4 हिस्से के खातेदार मृत दरियादेवी पुत्री रामसिंहजी के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 को राजस्व रेकॉर्ड जमाबन्दी वगैरह में अंकित किया जाना कानूनन एवं इंसाफन लाजमी था वो है जबकि प्रतिवादी संख्या 8 ने प्रतिवादी संख्या 13 के प्रतिनिधि एजेन्टो से साजिश कर प्रतिवादी संख्या 8 वादीनी के पिता रामसिंह एवं माता सुमटी के देहान्त पश्चात् शुन्य म्युटेशन संख्या 426 के जरिये उक्त रामसिंह व सुमटी की उपरोक्त सम्पूर्ण खातेदारी भूमि को प्रतिवादी संख्या 8 भंवरसिंह पुत्र छोगसिंह अपने आपको रामसिंह का गोदीपुत्र नहीं होते हुए अपने नाम खिलाफ कानून राजस्व रेकॉर्ड जमाबन्दी वगैरह में गलत अंकित किया एवं करवाया गया जो इन्द्राज काबिल निरस्त के है एवं उक्त म्युटेशन संख्या 426 को शुन्य घोषित फरमाया जाना लाजमी है। अतः वादीनी की ओर से विरुद्ध प्रतिवादीगण राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88,91 आर.टी.ए. 1955 के तहत पेशकर निवेदन है कि मौजा गुडा सोनीगरा, तहसील पाली के खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के 1/2 हिस्सा किस्म बारानी दायम एवं खसरा नम्बर 202 रकबा 18 बीघा, खसरा नम्बर 219 रबा 1 बीघा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 222 रकबा 3 बीघा, खसरा नम्बर 224 रकबा 16 बिस्वा, खसरा नम्बर 255 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा तमाम किस्म बारानी दायम मृतक रामसिंह व उसकी बेवा की खातेदारी वादीनी को, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादीनी संख्या 1 को, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादीनी संख्या 2 को एवं शेष 1/4 हिस्से के खातेदार मृत दरियादेवी पुत्री रामसिंहजी के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 को राजस्व रेकॉर्ड जामबंदी वगैर मे घोषित फरमाया जावे एवं तदनुसार राजस्व रेकॉर्ड जमाबन्दी वगैरह मे दुरुस्ती की जावे एवं मौजूदा जमाबन्दी में उक्त मृतक रामसिंह एवं तत्पश्चात् उसकी बेवा सुमटी की उपरोक्त सम्पूर्ण आराजी निस्वत् गलत इन्द्राज प्रतिवादी संख्या 8 के नाम शुन्य म्युटेशन संख्या 426 के जरिये किये गये है को निरस्त फरमाते हुए उक्त म्युटेशन संख्या 426 को शुन्य घोषित फरमाया जावे तथा मात्र खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा के शेष 1/2 हिस्सा मृतक छोगसिंह का होने से उक्त 1/2 हिस्से के खातेदार प्रतिवादी संख्या 8 लगाय 12 के नाम इन्द्राज फरमाया जावे। मौजा गुडा सोनीगरा में स्थित वादग्रस्त आराजी में वादीनी अपने 1/4 हिस्से की भूमि पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देखरेख एवं सुड सफाई एवं खडाई काश्त करने हेतु दिनांक 29.11.2015 को गई तो मौके पर प्रतिवादी संख्या 8 ने वादीनी को सुड सफाई करने से रोका एवं ऐलानिया धमकिया देते हुए कहा कि यह जमीन राज के रेकॉर्ड मे तुम्हारी माता सुमटी की मृत्यु के पश्चात मैने मेरा नाम इन्द्राज करवा दिया है जिससे उक्त मृतक सुमटी की सम्पूर्ण भूमि पर मैं फसल बाउंगा आयन्दा उक्त भुमि मे तुम सभी को तुम्हारे हिस्से की भूमि पर काश्त नहीं करने दूंगा एवं यह भी ऐलानिया धमकिया दी कि राज के रेकॉर्ड में मेरे नाम इन्द्राज होने से दीगर व्यक्तियों को तुम्हारी बेच दूंगा एवं कहा कि जमीन तुम्हे चाहिये तो तुम्हारे नाम करवाने की कार्यवाही करों अन्यथा तुम्हारे हिस्से की भूमि राज के रेकॉर्ड में मेरे नाम होने से मैं (प्रतिवादी संख्या 8 भंवरसिंह पुत्र छोगसिंह उफ छोगा) दीगर व्यक्तियों को बेचाण कर देगा तब वादीनी को हाजा वाद पेश करने की नौबत आई है। अतः हाजा वाद वादीनी की ओर से वाद में वर्णित भूमि उपरोक्त कथनोनुसार विरुद्ध प्रतिवादीगण पेश है। हाजा वाद



सहायक कलेक्टर
पाली

का विनायदावा बहक वादीनी विरुद्ध प्रतिवादी संख्या 8 तारीख 29.11.2015 को बमुकाम गुड़ा सोनीगरा मे तब पैदा हुआ जब प्रतिवादी संख्या 8 ने अर्जीदावा के फिकरा नम्बर 5 अनुसार वादीनी के उपयोग उपभोग कब्जा काशत में दखलअंदाजी की एवं हाजा वाद का विनायदावा बहक वादीनी विरुद्ध प्रतिवादीगण बमुकाम गुड़ा सोनीगरा, तहसील पाली मे तब तब भी माफिक वाद पैदा हुआ एवं होता रहा जब जब उक्त वादग्रस्त आराजी निस्बत गलत इन्द्राज राजस्व रेकर्ड में किये गये एवं किये जाते रहे। मौजा गुड़ा सोनीगरा, तहसील पाली के खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के 1/2 हिस्सा यानि करबा 2 बीघा 12 बिस्वा 10 विस्वाकी किस्म बारानी दायम एवं खसरा नम्बर 202 रकबा 18 बीघा, खसरा नम्बर 219 रबा 1 बीघा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 222 रकबा 3 बीघा, खसरा नम्बर 224 रकबा 16 बिस्वा, खसरा नम्बर 255 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा तमाम किस्म बारानी दायम मृतक रामसिंह व उसकी बेवा की खातेदारी भूमि होने से उक्त आराजी निस्बत यादिन 1/4 हिस्से की खातेदार वादीनी को, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादीनी संख्या 1 को, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादीनी संख्या 2 को एवं शेष 1/4 हिस्से के खातेदार मृत दरियादेवी पुत्री रामसिंहजी के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 को राजस्व रेकर्ड जामबंदी वगैरह मे घोषित फरमाया जावें। तदनुसार राजस्व रेकर्ड जमाबन्दी वगैर मे दुरुस्ती की जावे एवं मौजूदा जमाबन्दी में उक्त मृतक रामसिंह एवं तत्पश्चात उसकी बेवा सुमटी सुमटी की उपरोक्त सम्पूर्ण आराजी निस्बत गलत इन्द्राज प्रतिवादी संख्या 8 के नाम शुन्य म्युटेशन संख्या 426 के जरिये किये गये है को निरस्त फरमाते हुए उक्त म्युटेशन संख्या 426 को शुन्य घोषित फरमाया जावे तथा मात्र खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के शेष 1/2 हिस्सा मृतक छोगसिंह का होने से उक्त 1/2 हिस्से के खातेदार प्रतिवादी संख्या 8 लगाय 12 के नाम इन्द्राज फरमाया जावें।

2. वाद को दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी को जरिये सम्मन तलब किया गया।
3. प्रतिवादी संख्या 1 व 2 बावजुद सम्मन तामील के न्यायालय मे उपस्थित नहीं हुये। इसके विरुद्ध दिनांक 20.09.2016 को एकतरफा कार्यवाही करने का आदेश दिया गया।
4. वकील प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 व 9 लगाय 12 को जवाबदावा का पर्याप्त अवसर दिये जाने के बावजुद जवाबदावा प्रस्तुत नहीं किया गया। अतः दिनांक 29.01.2018 को वकील प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 व 9 लगाय 12 का जवाबदावा पेश करने का अवसर समाप्त किया गया।
5. वकील प्रतिवादी संख्या 08 की ओर से अपना जवाबदावा लम्बे समय बाद देर से पेश किया गया। जिस देरी का कोई पर्याप्त एवं संतोषजनक कारण प्रतिवादी संख्या 08 द्वारा प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 148 सी.पी.सी. मय जवाबदावा में अंकित नहीं किया तथा न ही जवाबदावा देरी से पेश होने बाबत कोई दस्तावेजी साक्ष्य पेश की गयी। जिससे बाद सुनने बहस वकील प्रतिवादी संख्या 08 एवं वकील वादी के न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 14.03.2019 के प्रतिवादी संख्या 08 द्वारा देरिना पेश जवाबदावा को पत्रावली से हटाते हुये पत्रावली के 'डी' पार्ट मे रखे जाने का आदेश पारित किया गया।


 सहायक कलेक्टर
 पाली

6. वादीयां ने अपने वाद को साबित करने हेतु शहादत में स्वयं वादीयां शान्तिदेवी पुत्री रामसिंह पत्नि दलपतसिंह ने मुख्य परीक्षण में अपना शपथ-पत्र पेश किया एवं अपने बयानों से वादपत्र के साथ पेश वादग्रस्त आराजी से सम्बन्धित राजस्व रेकर्ड के दस्तावेजात् को प्रदर्शित करवाये गये। वादीयां द्वारा मुख्य परीक्षण में पेश शपथ-पत्र पर जिरह करने हेतु प्रतिवादीगण को जिरह का अवसर दिये जाने के बावजूद प्रतिवादी संख्या 03 लगाय 07 एवं प्रतिवादी संख्या 08 के नियुक्त विद्वान अधिवक्ताओं द्वारा जिरह नहीं करने से जिरह का अवसर बन्द किया गया एवं पत्रावली वास्ते शहादत प्रतिवादी हेतु नियत की गयी परन्तु प्रतिवादी संख्या 03 लगाय 07 के अधिवक्ता द्वारा अपनी शहादत पेश करने से इंकार किया गया तथा प्रतिवादी संख्या 08 मय इनके नियुक्त विद्वान अधिवक्ता को बार-बार आवाजें लगाई गयी परन्तु न्यायालय में हाजिर नहीं आने से प्रतिवादी संख्या 08 की अनुपस्थिति दर्ज करते हुये पत्रावली अन्तिम बहस हेतु नियत की गयी।

7. बहस की सुनी गई।

8. बहस के दौरान वकील प्रतिवादी संख्या 8 अनुपस्थित।

9. बहस के दौरान विद्वान अधिवक्ता वादीयां द्वारा पेश वादपत्र वर्णित कथनों को दोहराते हुये निवेदन किया कि वादग्रस्त आराजी के खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा किस्म बारानी दायम एवं खसरा नम्बर 202 रकबा 18 बीघा, खसरा नम्बर 219 रबा 1 बीघा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 222 रकबा 3 बीघा, खसरा नम्बर 224 रकबा 16 बिस्वा, खसरा नम्बर 255 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा तमाम किस्म बारानी दायम मौजा गुडा सोनीगरा तहसील पाली, में स्थित है। जिस कृषि भूमि के खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के 1/2 हिस्से का एवं खसरा नम्बर 202,2019,222, 224, 225 कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा का एकमात्र टिनेन्ट वादीनी एवं प्रतिवादी संख्या 01, 02 एवं दरिया देवी के पिता रामसिंह एवं माता सुमटी होने से एवं उक्त रामसिंह व सुमटी के मृत्यु के वक्त उक्त मृतक रामसिंह एवं सुमटी की प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण बतौर जायन्दा पुत्रीयां के वादीनी एवं प्रतिवादी संख्या 01, 02 एवं प्रतिवादी संख्या 03 लगाय 07 की माता दरिया देवी जीवित मौजूद होने से उक्त आराजी के खातेदार रामसिंह व उसके पश्चात् उसकी बेवा सुमटी का देहान्त हो जाने के वक्त से आज दिन तक एकमात्र कब्जा-काश्त बतौर उत्तराधिकारीगण के वादीनी एवं प्रतिवादी संख्या 01 लगाय 07 का लगातार शामलाती में चला आ रहा है एवं आज भी आराजी पर काबिज रह काश्त करते हैं जिससे अपने पिता रामसिंह व माता सुमटी के हिस्से में से ऊपर वर्णित आराजी के 1/4 हिस्से की खातेदार वादीयां, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादी संख्या एक, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादी संख्या दो एवं शेष 1/4 हिस्से के खातेदार मृत दरियादेवी पुत्री रामसिंहजी के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण प्रतिवादी संख्या 03 लगाय 07 थे, रहे एवं आज भी जीवित मौजूद है जो शामलाती में उक्त आराजी पर काबिज रह काश्त करते थे, रहे वो काश्त करते हैं। वादग्रस्त आराजी का खातेदार रामसिंह पुत्र जालमसिंहजी, जाति-रजपूत, निवासी डिगाई मय इनकी पत्नि सुमटी के जीवनकाल में कोई जायन्दा पुत्र नहीं हुआ एवं न ही कोई इनका जायन्दा पुत्र है एवं न ही रामसिंह मय अपनी पत्नि सुमटी द्वारा अपने जीवनकाल में प्रतिवादी संख्या 08 भंवरसिंह पुत्र छोगसिंह को गोद ही लिया एवं न ही प्रतिवादी संख्या 08 भंवरसिंह पुत्र छोगसिंह उक्त रामसिंह व सुमटी का

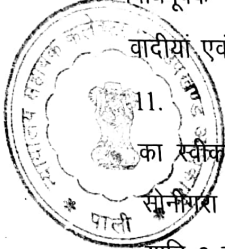
सहायक कलेक्टर
पाली

गोदी पुत्र या पुत्र है ऐसी स्थिति में उक्त रामसिंह व सुमटी की मृत्यु के वक्त उक्त रामसिंह व सुमटी की जायन्दा पुत्रीयां वादीनी, प्रतिवादी संख्या 01 व 02 एवं प्रतिवादी संख्या 03 लगाय 07 की माता दरिया देवी जीवित मौजूद थी जिससे हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की मशानुसार कानूनन एकमात्र प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण वादीयां, प्रतिवादी संख्या 01 लगाय 07 ही थे, रहे एवं आज भी जीवित मौजूद है परन्तु प्रतिवादी संख्या 08 भंवरसिंह पुत्र छोगसिंहजी अपने आपको वादीनी के पिता रामसिंह का गोदी पुत्र नहीं होते हुए राजस्व कर्मचारियों एवं अधिकारियों मय इनके प्रतिनिधि व एजेन्ट से मिलावट कर वादग्रस्त आराजी के खातेदार रामसिंह व सुमटी के सम्पूर्ण हिस्से की खातेदारी भूमि निस्वत् शून्य म्युटेशन संख्या 426 के उक्त रामसिंह व सुमटी के स्थान पर वादीनी एवं प्रतिवादी संख्या 01 लगाय 07 की बजाय प्रतिवादी संख्या 08 का नाम राजस्व रेकर्ड जमाबन्दी वगैरह में खिलाफ कानून गलत इन्द्राज किया गया जो काबिल दुरुस्ती के है एवं उक्त म्युटेशन संख्या 426 कानूनन काबिल शून्य घोषित के है एवं माफिक वाद वादीनी अनुसार मौजा मौजा ग्राम गुडा सोनीगरा में स्थित खातेदारी कृषि भूमि खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के 1/2 हिस्सा यानि 2 बीघा 12 बिस्वा किस्म बारानी दोयम एवं खसरा नम्बर 202 रकबा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 219 रकबा 1 बीघा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 222 रकबा 3 बीघा, खसरा नम्बर 224 रकबा 16 बिस्वा, खसरा नम्बर 255 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा तमाम किस्म बारानी दोयम मृतक रामसिंह व उसकी बेवा सुमटी की खातेदारी भूमि होने से उक्त आराजी निस्वत् यानि 1/4 हिस्से की खातेदार वादीनी को, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादीनी संख्या 1 को, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादीनी संख्या 1 को, 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादीनी संख्या 2 को एवं शेष 1/4 हिस्से के खातेदार मृत दरियादेवी पुत्री रामसिंह जी के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 को राजस्व रेकर्ड जबाबन्दी वगैरह में घोषित फरमाया जावे एवं तदनुसार राजस्व रेकर्ड जमाबन्द वगैरह में दुरुस्ती की जावे एवं मौजूदा जमाबन्दी में उक्त मृतक रामसिंह एवं तत्पश्चात् उसकी बेवा सुमटी की उपरोक्त सम्पूर्ण आराजी निस्वत् गलत इन्द्राज प्रतिवादी संख्या 8 के नाम शून्य म्युटेशन संख्या 426 के जरिये किये गये है को निरस्त फरमाते हुए उक्त म्युटेशन संख्या 426 को शून्य घोषित फरमाया जावे तथा मात्र खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के शेष 1/2 हिस्सा मृतक छोगसिंह को होने से उक्त 1/2 हिस्से के खातेदार प्रतिवादी संख्या 8 लगाय 12 के नाम इन्द्राज फरमाया जावे।

10. बहस पर मनन किया एवं बहस पर उपलब्ध कराये गये दस्तावेजाज का अवलोकन किया गया। पत्रावली पर लाये गये तमाम हालातों, तथ्यों व दस्तावेजी साक्ष्य तथा गवाह के बयानात् का अवलोकन एवं विवेचन से यह तथ्य जाहिर है कि वादग्रस्त आराजी ग्राम-गुडा सोनीगरा की जमाबन्दी की संवत् 2066 से 2069 के खाता संख्या 106 में खसरा नम्बर 226 रकबा 5.05 बीघा किस्म बारानी दोयम भंवरसिंह गोद रामसिंह छोगसिंह पुत्र जालमसिंह, कौम-रजपूत, सा. डींगाई खातेदार दर्ज है। ग्राम गुडासोनीगरा की जमाबन्दी संवत् 2066 से 2069 के खाता संख्या 107 में खसरा नम्बर 202 रकबा 0.18 बीघा किस्म बारानी दोयम, खसरा नम्बर 219 रकबा 1.18 बीघा किस्म बारानी दोयम, खसरा नम्बर 222 रकबा 3.00 बीघा किस्म बारानी दोयम, खसरा नंबर 224 रकबा 0.16 बीघा किस्म बारानी दोयम एवं खसरा नम्बर 225 रकबा 2.01 बीघा किस्म बारानी दोयम


सहायक कलेक्टर
पानी

भंवरसिंह गोद रामसिंह कौम-रजपूत, सा. डीगाई खातेदार दर्ज है। वादग्रस्त आराजी का खातेदार रामसिंह पुत्र जालमसिंहजी, जाति-रजपूत, निवासी डिंगाई मय इनकी पत्नि सुमटी के जीवनकाल में कोई जायन्दा पुत्र नहीं हुआ न ही कोई इनका जायन्दा पुत्र है ऐसी स्थिति में सुमटी की मृत्यु के वक्त उक्त रामसिंह व सुमटी की जायन्दा पुत्रीयां वादीनी प्रतिवादी संख्या 01 व 02 एवं प्रतिवादी संख्या 03 लगाय 07 की माता दरिया देवी जीवित मौजूद थी, रही जिससे हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की मंशानुसार कानूनन एकमात्र बतौर प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारीगण वादीनी एवं प्रतिवादी संख्या 01 लगाय 07 ही है। ग्राम गुड़ा सोनीगरा के नामान्तरकरण संख्या 426 का अवलोकन करने के बाद पाया कि सुमटी बेवा रामसिंह की मृत्यु होने के बाद बतौर भंवरसिंह का नाम गोद पुत्र के रूप में दर्ज किया गया है तथा भंवरसिंह के द्वारा पत्रावली में ऐसा कोई साक्ष्य अथवा दस्तावेजात् प्रस्तुत नहीं किया जिससे कि यह सिद्ध हो जाये कि भंवरसिंह ही रामसिंह का गोदी पुत्र है बल्कि पत्रावली पर आई दस्तावेजी साक्ष्य से यह प्रमाणित है कि भंवरसिंह छोगा उर्फ छोगसिंह का जायन्दा पुत्र है न कि वादीयां के पिता रामसिंह व माता सुमटी का गोदी पुत्र है। ऐसी स्थिति में वादीयां की प्रतिवादी खातेदारी भूमि निस्वत संख्या 08 द्वारा अपने नाम गोदी पुत्र की हैसियत से वादग्रस्त आराजी के राजस्व रेकर्ड में खिलाफ कानून इन्द्राज करवाया गया है जो विधिपूर्वक नहीं होने से काबिल दुरुस्ती के हटाते हुए वादग्रस्त आराजी की खातेदार माफिक वाद वादीयां एवं प्रतिवादी संख्या 01 लगाय 07 को घोषित किया जाना उचित प्रतीत होता है।




11.

अतः वादीगण का वाद अंतर्गत धारा 88,91 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम, 1955 का स्वीकार किया जाकर डिक्री इस आशय की जारी की जाती है कि सरहद मौजा ग्राम गुड़ा सोनीगरा में स्थित खातेदारी कृषि भूमि खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के 1/2 हिस्सा यानि 2 बीघा 12 बिस्वा किस्म बरानी दोयम एवं खसरा नम्बर 202 रकबा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 219 रकबा 1 बीघा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 222 रकबा 3 बीघा, खसरा नम्बर 224 रकबा 16 बिस्वा, खसरा नम्बर 255 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा तमाम किस्म बरानी दोयम मौजा गुड़ा सोनीगरा तहसील पाली में स्थित है, जिस कृषि भूमि के खसरा नंबर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के 1/2 हिस्से का एवं खसरा नम्बर 202,219,222, 224, 225 कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा भूमि में भंवरसिंह गोद राम के स्थान पर वादीया का 1/4 हिस्सा का खातेदार एवं 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादी संख्या 1 को एवं 1/4 हिस्से के खातेदार प्रतिवादी संख्या 2 को एवं शेष 1/4 हिस्से की खातेदार मृतक दरिया देवी पुत्री रामसिंह जी के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 को खातेदार घोषित किया जाता है एवं तदनुसार राजस्व रेकर्ड जमाबंदी वगैरह में दुरुस्ती की जावे एवं मौजूदा जमाबंदी में उक्त आराजी के खातेदार रामसिंह एवं तत्पश्चात् उसकी बेवा सुमटी की उपरोक्त सम्पूर्ण आराजी निस्वत् गलत इन्द्राज प्रतिवादी संख्या 8 भंवरसिंह के नाम शुन्य म्युटेशन संख्या 426 के जरिये किये गये हैं को निरस्त किया जाकर उक्त म्युटेशन संख्या 426 को शुन्य घोषित किया जाता है। माफिक निर्णय पालना करने हेतु इस निर्णय एवं डिक्री परचा की प्रति तहरीर के साथ तहसीलदार, पाली को प्रेषित की जावे। बाद पालना पत्रावली फ़ैसल में शुमार होकर दाखिल दफ्तर की जावे।


सहायक कलेक्टर
पाली

यह निर्णय आज दिनांक 19-12-2019 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर
खुले न्यायालय में सुनाया गया।




सहायक कलेक्टर
पाटी

डिक्की बमुकददमें इब्तदाई

(ऑर्डर 20, रूल 6-7 जाब्ता दीवानी)

(Civil Procedure Code, Appendix 'D' -1)

अज अदालत सहायक कलेक्टर एवं उप जिला कलेक्टर, पाली
इजलास- श्री रोहिताश्व सिंह तोमर, (आई.ए.एस.)

मुकददमा संख्या 625 सन् 2015

अंतर्गत धारा 88,91 राजस्थान कास्तकारी अधिनियम, 1955

वादी:-

बनाम प्रतिवादीगण:-

1. शांतिदेवी पुत्री रामसिंह पत्नि
दलपतसिंह, जाति राजपूत
(रजपूत), निवासी डिंगाई हाल
निवासी गुन्दोज, तहसील पाली,
जिला पाली (राजस्थान)

1. सायरी पुत्री रामसिंहजी पत्नि घीसुसिंहजी,
जाति रजपूत
2. उमी पुत्री रामसिंहजी पत्नि जोरसिंहजी,
जाति रजपूत, निवासीगण, डिंगाई, तहसील
पाली, जिला पाली
मृतक दरिया पुत्री रामसिंहजी पत्नि
गोपालसिंहजी, जाति रजपूत, निवासी
डिंगाई, हाल निवासी गोदावास, तहसील
पाली के कायम मुकाम-
3. रिकु पुत्री गोपालसिंह, उम्र 19 वर्ष
4. मंशा पुत्री गोपालसिंह, उम्र 17 वर्ष
5. कन्या पुत्री गोपालसिंह, उम्र 15 वर्ष
6. पूजा पुत्री गोपालसिंह, उम्र 12 वर्ष
7. जोगसिंह पुत्र गोपालसिंह, उम्र 10 वर्ष,
जातिगण रजपूत, निवासीगण गोदावास,
तहसील पाली, जिला पाली जरिये कुदरती
वली पिता गोपालसिंह पुत्र मगसिंहजी,
जाति रजपूत, निवासी गोदावास, तहसील
पाली नाबालिगान प्रतिवादी संख्या 3 लगाय
7 का
8. भंवरसिंह पुत्र छोगसिंहजी उर्फ छोगा
(तथाकथित अपने आपको रामसिंह का गोदी
पुत्र बताता है)
9. राजूसिंह पुत्र छोगसिंहजी उर्फ छोगा
10. गिरधारीसिंह पुत्र छोगसिंहजी उर्फ छोगा
11. छतरसिंह पुत्र छोगसिंहजी उर्फ छोगा
12. अणचीकंवर बेवा छोगसिंहजी उर्फ छोगा,
जातिगण राजपूत, निवासीगण डिंगाई,
तहसील पाली, जिला पाली
13. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार, पाली
तहसील पाली, जिला पाली।



सहायक कलेक्टर
पाली

यह मुकद्दमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रुबरू श्री मदन दास वैष्णव, विद्वान अभिभाषक वादीगण बहाजरी मिनजानिब मुद्दई व जब्बरसिंह मिनजानिब मुदायलाह पेश होकर हुक्म दिया जाता है कि वादीगण का वाद अंतर्गत धारा 88,89,188,92ए राजस्थान कास्तकारी अधिनियम, 1955 का स्वीकार किया जाकर डिक्री इस आशय की जारी की जाती है कि सरहद मौजा ग्राम गुडा सोनीगरा में स्थित खातेदारी कृषि भूमि खसरा नम्बर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के 1/2 हिस्सा यानि 2 बीघा 12 बिस्वा किस्म बारानी दोयम एवं खसरा नम्बर 202 रकबा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 219 रकबा 1 बीघा 18 बिस्वा, खसरा नम्बर 222 रकबा 3 बीघा, खसरा नम्बर 224 रकबा 16 बिस्वा, खसरा नम्बर 255 रकबा 2 बीघा 1 बिस्वा कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा तमाम किस्म बारानी दोयम मौजा गुडा सोनीगरा तहसील पाली में स्थित है, जिस कृषि भूमि के खसरा नंबर 226 रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा के 1/2 हिस्से का एवं खसरा नम्बर 202,219,222, 224, 225 कुल रकबा 8 बीघा 13 बिस्वा भूमि में भंवरसिंह गोद राम के स्थान पर वादीया का 1/4 हिस्सा का खातेदार एवं 1/4 हिस्से की खातेदार प्रतिवादी संख्या 1 को एवं 1/4 हिस्से के खातेदार प्रतिवादी संख्या 2 को एवं शेष 1/4 हिस्से की खातेदार मृतक दरिया देवी पुत्री रामसिंह जी के प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी प्रतिवादी संख्या 3 लगाय 7 को खातेदार घोषित किया जाता है एवं तदनुसार राजस्व रेकॉर्ड जमाबंदी वगैरह में दुरुस्ती की जावें एवं मौजूदा जमाबंदी में उक्त आराजी के खातेदार रामसिंह एवं तत्पश्चात् उसकी बेवा सुमटी की उपरोक्त सम्पूर्ण आराजी निस्बत् गलत इन्द्राज प्रतिवादी संख्या 8 भंवरसिंह के नाम शुन्य म्युटेशन संख्या 426 के जरिये किये गये हैं को निरस्त किया जाकर उक्त म्युटेशन संख्या 426 को शुन्य घोषित किया जाता है। नीज.....शून्य..... मुबलिगशून्य.... बाबत.....शून्य.....खर्चा इस मुकद्दमें के मय सूद व शरह.....शून्य.....फीसदी आज की तारीख से वसूलयानी तकशून्य..... को अदा करें।

बसिब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 19 माह 12 सन् 2019 को जारी की गई।

मुहर

दस्तखत.....
ओहदा सहायक कलेक्टर
पाली

मुद्दई	रूपया	पैसे	मुद्दायलह	रूपया	पैसे
स्टाम्प अर्जीनामा	-	-	स्टाम्प वकालतनामा	-	-
स्टाम्प वकालतनामा	-	-	स्टाम्प हाजरी	-	-
स्टाम्प वजह सबूत	-	-	मेहनताना वकील पर	-	-
मेहनताना वकील	-	-	खर्चा गवाहान	-	-
खर्चा गवाहान	-	-	फीस कमिश्नर	-	-
फीस कमिश्नर	-	-	बाबत इजराय हुक्मनामा	-	-
बाबत इजराय हुक्मनामा	-	-	मुतफरिक	-	-
मुतफरिक	-	-	-	-	-
मीजान			मीजान		

नोट:- इस खर्च के फार्म पर कुल खर्चा हर जो फरीकेन का, चाहे डिक्री के जरिये दिलाया गया हो, या नहीं दर्ज करना चाहिये।

सहायक कलेक्टर
पाली

